DAINIK JAGRAN (23.10.2016)

'जॉय आफ गिविंग' सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों की ओर से जुटाई गई वस्तुओं का निरीक्षण करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। जागरण

भविष्य के इंजीनियर पढ़ रहे समाजसेवा का पाठ

- जॉय ऑफ गिविंग से छात्रों को समाज से जोड़ता विवि
- छात्र सोसायटी से सामन एकत्र कर जरूरतमंदों में बांटते हैं

हरेंद्र नागर, फरीदाबाद

जहां मेडिकल और इंजीनियरिंग विश्वविद्यालयों में छात्रों का पाठ्यक्रम से ज्यादा और समाज से कम सरोकार होता है वहीं फरीदाबाद स्थित वाइएमसीए विश्वविद्यालय भविष्य के इंजीनियरों को मशीन व कलपुर्जे बनाने के साथ ही भावनात्मक लगाव और सामाजिक सरोकार का पाठ भी पढ़ाया जाता है। इसके लिए हर साल विश्वविद्यालय की ओर से 'जॉय ऑफ गिविंग' कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

जॉय ऑफ गिविंग कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी विभिन्न माध्यमों से दैनिक जरूरतों का सामान, कपड़े, किताबें, स्टेशनरी आदि एकत्र करते हैं। इस प्रक्रिया से करीब एक महीने तक सामान एकत्र किया जाता है और इस सामान को वृद्धाश्रम, अनाथालय व स्लम बस्तियों में जाकर जरूरतमंदों को वितरित किया जाता है। विवि लगातार पांच साल से इस कार्यक्रम को आयोजित करता आ रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत हर साल सितंबर माह में होती है और इसका समापन अक्टूबर में होता है।

टीम बनाकर एकत्र करते हैं सामान : सामान एकत्र करने के लिए छात्रों की टीमें गठित की जाती हैं। ये टीमें अलग-अलग सेक्टर व कॉलोनियों में जाकर लोगों को उनके अतिरिक्त सामान दान देने के लिए प्रेरित करती हैं। अब तो लोग भी इस कार्यक्रम के बारे में जान गए हैं ऐसे में सितंबर आते ही वे स्वयं सामान विश्वविद्यालय में पहुंचा देते हैं।

जॉय ऑफ गिविंग की संयोजिका डॉ. सोनिया बंसल कहती हैं कि करीब एक महीने चलने वाले इस कार्यक्रम में छात्र विश्वविद्यालय से निकलकर सामान एकत्र करने व बांटने के लिए लोगों से मिलते हैं। जिससे उन्हें अलग-अलग अनुभव होते हैं जिनके आधार पर वह भविष्य की योजनाएं बनाते हैं।

वाइएमसीए विवि के कुलपति दिनेश कुमार अग्रवाल बताते हैं कि इस कार्यक्रम से एक ओर जहां जरूरतमंदों की सेवा होती है वहीं दूसरी ओर विद्यार्थियों में भी समाजसेवा की भावना जागृत होती है। छात्र समाज के जरूरतमंद तबके की समस्याओं और स्थिति से रूबरू होते हैं। हमारा उद्देश्य ऐसे युवा तैयार करना है जिनमें मशीनें तैयार करने के साथ ही समाज के बारे में सोचने वाली मानवीय भावनाएं भी हों।

DAINIK BHASKAR (21.10.2016)

जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांट रहे हैं विद्यार्थी

ज्वाय ऑफ गिविंग सप्ताह के तहत विद्यार्थी लोगों के घरों में जाकर सामान एकत्र कर रहे

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

फेस्टिवल सीजन में इस समय पर जब सभी अपनों के साथ खुशियां बांटने की तैयारियों में लगे हुए हैं वहीं वाईएमसीए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इन सबसे से हट एक अनूठे काम में लगे हुए हैं। ये विद्यार्थी निर्धन, अनाथ और जरूरतमंद लोगों के लिए मूलभूत वस्तुएं जुटाने तथा उन तक पहुंचाने के लिए अभियान चला रहे हैं। विश्वविद्यालय की ओर से चला जा रहे ज्वाय आफ गिविंग (दान उत्सव) सप्ताह के दौरान विद्यार्थी लोगों के घरों में जाकर काफी तादाद में ऐसी वस्तुएं जुटा रहे हैं। जिनमें घरेलू उपयोग का जरूरी सामान, पुराने एवं नए कपड़े, जूते, बर्तन, किताबें और रोजमर्रा का अन्य सामान शामिल हैं।

सेवा के इस कार्य में लगे हैं 50 स्टूडेंट्स

विश्वविद्यालय के लगभग 50 विद्यार्थियों का समूह स्वैच्छा से इस कार्य में लगा हुआ है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने इस कार्य की सराहना की है। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा जुटाई जा रही वस्तुओं का निरीक्षण किया। यह अभियान संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण की देखरेख में चलाया जा रहा है। कुलपति ने निर्धन एवं जरूरतमंदों की मदद के लिए विद्यार्थियों की ओर से किए गए प्रयास की सराहना कर संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण प्रो. एसके अग्रवाल से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि विद्यार्थियों द्वारा जुटाई गई वस्तुएं उन लोगों तक पहुंचें। जिन्हें इनकी सबसे ज्यादा जरूरत है। इस कार्य में लगे विद्यार्थी अशुल बंसल, उत्कर्ष, प्रियंका, वैभव आदि के अनुसार अब तक एक टन से ज्यादा सामान एकत्र हो चुका है।

फरीदाबाद. विद्यार्थियों द्वारा जुटाई गई वस्तुओं का निरीक्षण करते वाईएमसीए के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा रहा सामान

इस सामान को आसपास की बस्तियों, अनाथ आश्रम तथा वृद्धाश्रम तक पहुंचाया जा रहा है। अमतौर पर लोग घरों में त्यौहार की सफाई के दौरान ऐसे सामान को अलग रख देते हैं। जो रोजमर्रा में उपयोग में नहीं आतीं लेकिन साधनों से वंचित लोगों के लिए यह सामान काफी उपयोगी हो सकता है। इसी सोच के साथ विद्यार्थियों ने डोर-टू-डोर लोगों से ऐसा सामान देने का आग्रह किया। इस सामान में सबसे ज्यादा कपड़े हैं। इसके अलावा लोगों ने किताबें, खिलौने, वाटर प्यूरीफायर तथा रोजमर्रा की अन्य चीजें दान में दी हैं।

पांच साल से हर बार यह कार्य होता है

कार्यक्रम की संयोजक डा. सोनिया बंसल के अनुसार विश्वविद्यालय की ओर से पांच वर्षों से विश्वविद्यालय में ज्वाय आफ गिविंग का आयोजन किया जा रहा है। इसे विश्वविद्यालय ने सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में लिया है। विद्यार्थियों ने अलग-अलग सेक्टरों में डोर-टू-डोर गतिविधियां चलाईं तथा बाजारों में कई संग्रह केन्द्र स्थापित किए। विद्यार्थियों द्वारा इकट्ठा किया गया कुछ सामान पल्वल जिले के बघौला गांव स्थित आश्रम छाया अनाथालय में भेजा गया है। कुछ सामान को नेपाल के भूकंप पीड़ितों को नेपाल श्रीजनशील चिल्ड्रन प्रोटेक्शन सेंटर के माध्यम से पहुंचाया जाएगा।

HINDUSTAN (20.10.2016)

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी गरीब, अनाथ और जरूरतमंद लोगों को मूलभूत वस्तुएं उपलब्ध करा रहे हैं, गुरुवार को वाईएमसीए के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने मौके पर पहुंच छात्रों को इस कार्य के लिए बधाई दी। • हिन्दुस्तान

छात्र दान उत्सव में कर रहे मदद

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी गरीब, अनाथ और जरूरतमंद लोगों को मूलभूत वस्तुएं उपलब्ध करा रहे हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय में पढ़ रहे विद्यार्थियों के कई ग्रुप बनाए गए हैं। जो घर-घर जाकर पुराने कपड़े और जरूरत की चीजें एकत्रित कर लोगों तक पहुंचया जा रहा है।

विश्वविद्यालय की ओर से दान उत्सव (जॉय ऑफ गिविंग) सप्ताह का आयोजन किया गया था। इन कपड़ों को एकत्रित कर उसे अनाथालय, बस्तियों एवं वृद्ध आश्रमों में दान किया जा रहा है। यह जानकारी वाईएमसीए के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि उत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने पुराने एवं नये कपड़े, जूते, बर्तन, पुस्तक और रोजाना प्रयोग में आने वाली कई वस्तुएं एकत्रित की हैं।

PUNJAB KESARI (20.10.2016)

जरूरतमंद लोगों के लिए जुटाया सामान

वाईएमसीए के विद्यार्थियों द्वारा जरूरमंदों के लिए एकत्रित किया गया सामान।

■ वाईएमसीए में मनाया गया 'जॉय आफ गिविंग' सप्ताह

फरीदाबाद, 18 अक्तूबर (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा 'जॉय आफ गिविंग' (दान उत्सव) सप्ताह का आयोजन किया गया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने एक अभियान चलाकर निर्धन, अनाथ व जरूरतमंद लोगों के लिए हजारों की संख्या में मूलभूत वस्तुएं जुटाई, जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा शहर के विभिन्न अनाथालयों, बस्तियों एवं वृद्धाश्रमों में भेंट किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने उत्सव के दौरान विद्यार्थियों द्वारा जुटाई गई वस्तुओं का निरीक्षण किया।

इन वस्तुओं में घरेलू उपयोग का जरूरी सामान, पुराने एवं नए कपड़े, जूते, बर्तन, किताबें और रोजमर्रा का अन्य सामान शामिल हैं। यह अभियान विद्यार्थियों द्वारा संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण की देखरेख में चलाया गया। कुलपति ने निर्धन एवं जरूरतमंदों की मदद के लिए विद्यार्थियों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की तथा संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण प्रो. एसके अग्रवाल से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि विद्यार्थियों द्वारा जुटाई गई वस्तुएं उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें इनकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक सरोकार की गतिविधियों से भी जुड़े रहे। कार्यक्रम की संयोजक डा. सोनिया बंसल ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा पिछले पांच वर्षों से विश्वविद्यालय में 'जॉय आफ गिविंग' का आयोजन किया जा रहा है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed, 19 October 2016
epaper.punjabkesari.in//c/14051181

NAVBHARAT TIMES (20.10.2016)

जरूरतमंदों के लिए इकट्ठा किया सामान

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने जरूरतमंद लोगों के लिए मूलभूत वस्तुएं जुटाने के लिए गुरुवार को अभियान चलाया। यूनिवर्सिटी की ओर से चलाए जा रहे जॉय ऑफ गिविंग सप्ताह के दौरान स्टूडेंट्स ने लोगों के घर जाकर घरेलू उपयोग का सामान, कपड़े, जूते, बर्तन, किताबें आदि सामान जुटाया। यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो.दिनेश कुमार ने स्टूडेंट्स के कार्य को सराहा। संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण प्रो.एसके अग्रवाल से कहा कि वह सुनिश्चित करें कि वस्तुएं उन लोगों तक पहुंचें, जिन्हें इनकी सबसे ज्यादा जरूरत है। स्टूडेंट अशुंल बंसल, उत्कर्ष, प्रियंका, वैभव आदि ने बताया कि इकट्ठा किया गया कुछ सामान बघौला, पलवल के आंचल छाया अनाथालय भेजा गया है। कुछ सामान नेपाल के भूकंप पीड़ितों को नेपाल श्रीजनशील चिल्ड्रन प्रोटेक्शन सेंटर के माध्यम से पहुंचाया जाएगा।

AMAR UJALA (20.10.2016)

जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांट रहे विद्यार्थी

फरीदाबाद (ब्यूरो)। दिवाली का त्योहार खुशियों का है। ऐसे में वाईएमसीए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इस त्योहार को एंजॉय ऑफ गिविंग के रूप में मना रहे हैं। वह जरूरतमंद, अनाथ एवं गरीबों को इस त्योहार पर मूलभूत वस्तुएं उपलब्ध कराएंगे।